2 साहसी पूजा

सच्ची घटना

पाठ चर्चा : प्रस्तुत कहानी एक ऐसी बालिका की है जिसे 26 जनवरी को उसकी बहादुरी के लिए भारत के राष्ट्रपति ने पुरस्कार प्रदान किया। कहानी को पढ़कर जानो कि किस तरह पूजा ने अपने दो भाइयों को अपनी सूझ-बूझ से बचा लिया।

घर में कोई अतिथि आते तो पूजा हाथ जोड़कर नमस्ते करती। फिर कुरसी रखती। भागी-भागी रसोईघर से पानी का गिलास ले आती।

पाठशाला से आते ही माँ के छोटे-छोटे काम कर देती। माँ कहतीं—कपड़े उधर रख दो। पूजा अपने छोटे-छोटे हाथों से उनकी तह करने लगती। पूजा का सबसे प्रिय खेल था अपने छोटे भाइयों से खेलना। पढ़ने से जितना समय बचता, वह सौरभ और सूरज के साथ खेलती।

पूजा अपने भाइयों से बहुत स्नेह करती थी।

एक दिन की बात है। संध्या का समय था। सूर्य अस्त हो चुका था। दरवाज़े पर खट-खट की आवाज़ हुई। पूजा ने दौड़कर दरवाज़ा खोल दिया।

एक जान-पहचान का आदमी उसे धकेल भीतर आ गया। उसने तुरंत भीतर से कुंडी लगा दी।

"कौन है?" कहती माँ बाहर आईं।

"मैं हूँ," कहते-कहते उसने ज़ोर से धक्का दिया। माँ चीखकर धरती पर गिर गईं।

पूजा ने जल्दी से छोटे भाई को गोद में उठाया। सौरभ का हाथ पकड़ दूसरे कमरे में चली गई। अंदर से कुंडी लगा, चुपचाप सुनने लगी।

पूजा भयभीत थी। माँ का क्या हुआ—यह विचार बार-बार उसके मन में उठ रहा था। न जाने वह आदमी क्या करेगा? उसे बहुत क्रोध भी आ रहा था।

तभी लगा कहीं से कुंडी लगाने की आवाज़ हुई। वह अपना दरवाज़ा खोल बाहर भागी। माँ ज़मीन पर पड़ी थीं। घर में आग लगी थी।

पूजा वापस भागी। कमरे में आ दोनों भाइयों को उठा खिड़की के पास ले आई। खिड़की के पास खड़ी होकर पूजा चिल्लाने लगी—आग! आग!

लोग भागे हुए आए। पूजा के पिताजी भी काम से लौट आए थे। वे कमरे में घुसे तो पूजा अपने भाइयों और आग की लपटों के बीच खड़ी थी।

दोनों भाई रो रहे थे। किसी तरह सबको बाहर निकाल लिया गया। वह आदमी पैसा और गहने लेकर भाग रहा था।

छह वर्ष की पूजा के सिर पर हाथ फेरते हुए अलमोड़ा के श्री कैलाशचंद ने कहा—मेरी बिटिया बहुत साहसी है।

पूजा को 2006 में इस अद्‌भुत साहस के लिए राष्ट्रपति द्‌वारा पुरस्कार दिया गया।

शब्दार्थ

अतिथि	मेहमान	**अस्त**	छिपना
भयभीत	डरी हुई	**विचार**	खयाल
लपट	आग की लौ	**अद्‌भुत**	अनोखा
साहसी	निडर / हिम्मतवाली	**पुरस्कार**	इनाम

श्रुतलेख : नमस्ते स्नेह संध्या कुंडी भयभीत अद्‌भुत राष्ट्रपति पुरस्कार

अभ्यास

मौखिक कार्य.....

❖ **उत्तर बताओ :**

क. पूजा के कितने भाई थे?

ख. पूजा के घर कौन आया?

ग. पूजा ने कुंडी क्यों बंद की?

लिखित कार्य.....

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

क. पूजा ने अपने भाइयों को कैसे बचाया?

पूजा अपने .....

.....

ख. पूजा ने लोगों को कैसे बुलाया?

.....

ग. पूजा को पुरस्कार क्यों दिया गया?

....

2. सही विकल्प के सामने ✓ चिह्न लगाओ :

क. पूजा किससे बहुत स्नेह करती थी?

(i) अपने भाइयों से ☐ (ii) अपनी मम्मी से ☐ (iii) अपने पड़ोस से ☐

ख. घर में घुसा आदमी क्या लेकर भाग गया था?

(i) केवल गहने ☐ (ii) पैसा और गहने ☐ (iii) खिलौने ☐

ग. पूजा कैसी लड़की थी?

(i) नटखट ☐ (ii) डरपोक ☐ (iii) साहसी ☐

3. सही वाक्य के सामने ✓ लगाओ :

क. पूजा अपने भाइयों से बहुत स्नेह करती थी। ☐

ख. पूजा दरवाज़े के पीछे छिप गई। ☐

घ. पूजा ने अपने भाइयों की जान बचाई। ☐

भाषा की बात........

1. दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाला एक-एक शब्द लिखो :

नमस्कार – .... | सूर्य – ....

चंद्रमा – .... | द्वार – ....

2. 'र' का सही रूप प्रयोग कर शब्द पूरे करो :

्र प्रकाश – पेम पिय कोध

र्‍ कर्म – सूय काय गव

3. शब्दों को उनके उलटे अर्थ वाले शब्द से मिलाओ :

बाहर	उधर	उदय	निडर
इधर	बहुत	भयभीत	बुरा
थोड़ा	सायं	अच्छा	आसमान
प्रातः	भीतर	ज़मीन	अस्त

विचार-कौशल.....

❖ **26 जनवरी की परेड में वीर और साहसी बच्चों को हाथी पर बैठा देखकर आप क्या सोचते हैं? अपने विचार लिखो।**

.....

.....

.....

रचनात्मक कार्य.....

❖ **बॉक्स में 26 जनवरी की परेड का कोई चित्र चिपकाओ :**